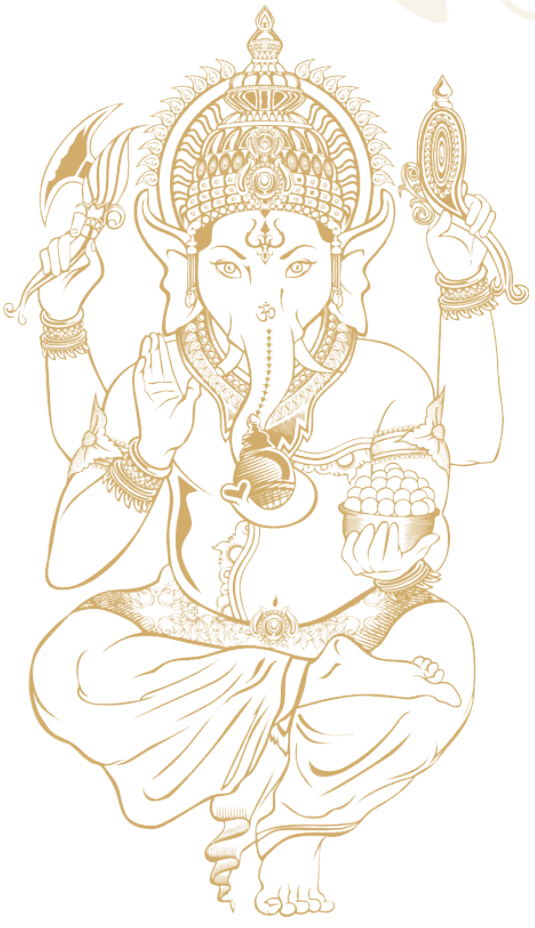

Divya trpathi

03 Jan 2025

01:27 PM

Gorakhpur

Model: web-freekundliweb

Order No: 121745509

लिंग	स्त्रीलिंग
जन्म तिथि	**03/01/2025**
दिन	शुक्रवार
जन्म समय	**13:27:00 घंटे**
इष्ट	16:42:32 घटी
स्थान	**Gorakhpur**
राज्य	Uttar Pradesh
देश	India

अक्षांश	26:45:00 उत्तर
रेखांश	83:23:00 पूर्व
मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
स्थानिक संस्कार	00:03:32 घंटे
ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
स्थानिक समय	13:30:32 घंटे
वेलान्तर	-00:04:30 घंटे
साम्पातिक काल	20:23:19 घंटे
सूर्योदय	06:45:59 घंटे
सूर्यास्त	17:16:20 घंटे
दिनमान	10:30:21 घंटे
सूर्य स्थिति(अयन)	उत्तरायण
सूर्य स्थिति(गोल)	दक्षिण
ऋतु	शिशिर
सूर्य के अंश	18:59:03 धनु
लग्न के अंश	22:55:33 मेष

अवकहड़ा चक्र

लग्न-लग्नाधिपति	मेष - मंगल
राशि-स्वामी	**कुम्भ - शनि**
नक्षत्र-चरण	**धनिष्ठा - 3**
नक्षत्र स्वामी	मंगल
योग	सिद्धि
करण	विष्टि
गण	राक्षस
योनि	सिंह
नाड़ी	मध्य
वर्ण	शूद्र
वश्य	मानव
वर्ग	मार्जार
युँजा	अन्त्य
हंसक	वायु
जन्म नामाक्षर	गू-गुंजन
पाया(राशि-नक्षत्र)	स्वर्ण - ताम्र
सूर्य राशि(पाश्चात्य)	मकर

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

ग्रह स्पष्ट तथा उनकी स्थिति

ग्रह	व	अ	राशि	अंश	गति	नक्षत्र	पद	नं.	रा	न	अं.	स्थिति
लग्न			मेष	22:55:33	426:38:16	भरणी	3	2	मंगल	शुक्र	शनि	---
सूर्य			धनु	18:59:03	01:01:10	पूर्वाषाढ़ा	2	20	गुरु	शुक्र	राहु	मित्र राशि
चंद्र			कुंभ	01:31:47	13:48:53	धनिष्ठा	3	23	शनि	मंगल	बुध	सम राशि
मंगल	व		कर्क	06:55:15	00:20:59	पुष्य	2	8	चंद्र	शनि	बुध	नीच राशि
बुध			वृश्चि	28:43:39	01:20:23	ज्येष्ठा	4	18	मंगल	बुध	शनि	सम राशि
गुरु	व		वृष	18:46:02	00:06:03	रोहिणी	3	4	शुक्र	चंद्र	बुध	शत्रु राशि
शुक्र			कुंभ	05:59:42	01:03:42	धनिष्ठा	4	23	शनि	मंगल	चंद्र	मित्र राशि
शनि			कुंभ	20:29:51	00:04:43	पू०भाद्रपद	1	25	शनि	गुरु	गुरु	स्वराशि
राहु	व		मीन	06:19:19	00:05:20	उ०भाद्रपद	1	26	गुरु	शनि	बुध	सम राशि
केतु	व		कन्या	06:19:19	00:05:20	उ०फाल्गुनी	3	12	बुध	सूर्य	बुध	शत्रु राशि
हर्ष	व		मेष	29:22:28	00:01:22	कृतिका	1	3	मंगल	सूर्य	राहु	---
नेप			मीन	03:07:30	00:00:54	पू०भाद्रपद	4	25	गुरु	गुरु	राहु	---
प्लूटो			मक	06:55:49	00:01:52	उत्तराषाढ़ा	4	21	शनि	सूर्य	बुध	---
दशम भाव			मक	09:18:59	--	उत्तराषाढ़ा	--	21	शनि	सूर्य	शुक्र	--

व - वक्री स - स्थिर
अ - अस्त पू - पूर्ण अस्त
राहु : स्पष्ट

चित्रपक्षीय अयनांश : 24:12:23

लग्न-चलित

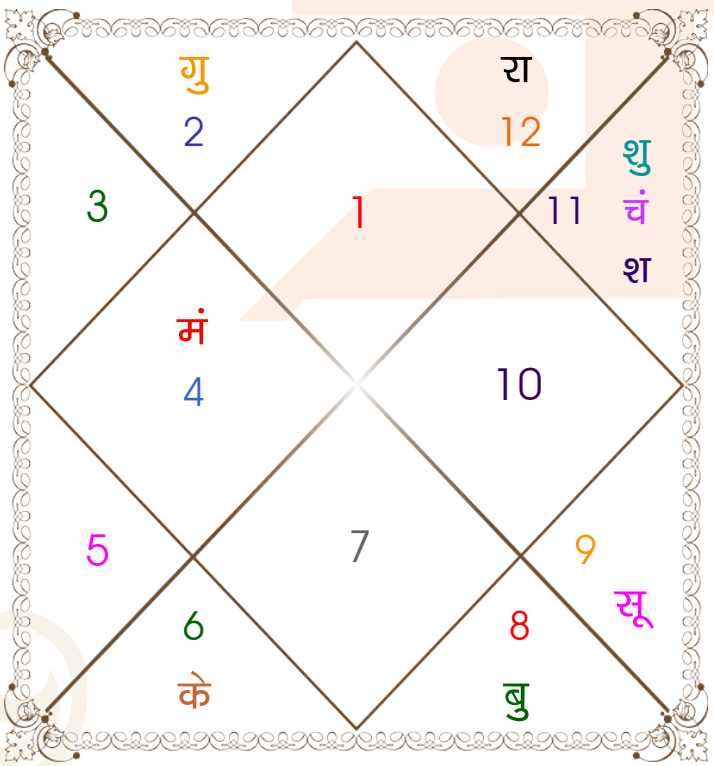

चन्द्र कुंडली

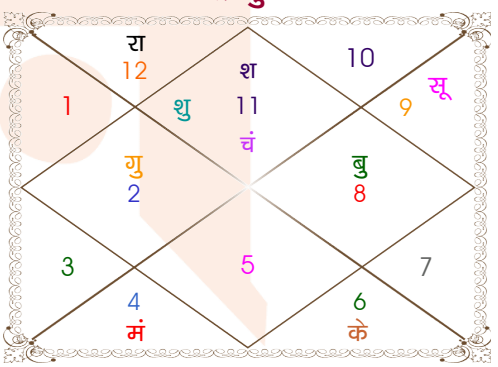

नवमांश कुंडली

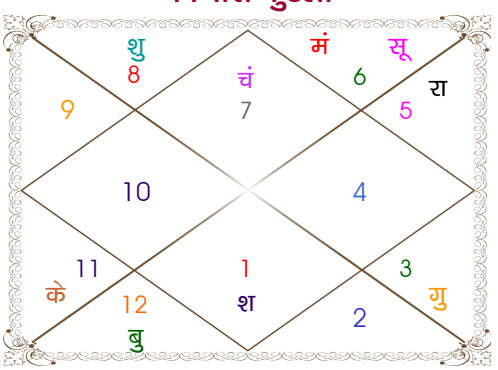

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

विंशोत्तरी दशा

भोग्य दशा काल : मंगल 2 वर्ष 8 मास 11 दिन

मंगल 7 वर्ष		राहु 18 वर्ष		गुरु 16 वर्ष		शनि 19 वर्ष		बुध 17 वर्ष	
03/01/2025		15/09/2027		15/09/2045		15/09/2061		14/09/2080	
15/09/2027		15/09/2045		15/09/2061		14/09/2080		15/09/2097	
	00/00/0000	राहु	28/05/2030	गुरु	03/11/2047	शनि	17/09/2064	बुध	11/02/2083
	00/00/0000	गुरु	21/10/2032	शनि	16/05/2050	बुध	29/05/2067	केतु	08/02/2084
	00/00/0000	शनि	28/08/2035	बुध	21/08/2052	केतु	06/07/2068	शुक्र	09/12/2086
	03/01/2025	बुध	16/03/2038	केतु	28/07/2053	शुक्र	06/09/2071	सूर्य	16/10/2087
बुध	13/03/2025	केतु	04/04/2039	शुक्र	28/03/2056	सूर्य	18/08/2072	चंद्र	16/03/2089
केतु	09/08/2025	शुक्र	04/04/2042	सूर्य	14/01/2057	चंद्र	19/03/2074	मंगल	13/03/2090
शुक्र	09/10/2026	सूर्य	26/02/2043	चंद्र	16/05/2058	मंगल	28/04/2075	राहु	30/09/2092
सूर्य	14/02/2027	चंद्र	27/08/2044	मंगल	22/04/2059	राहु	04/03/2078	गुरु	05/01/2095
चंद्र	15/09/2027	मंगल	15/09/2045	राहु	15/09/2061	गुरु	14/09/2080	शनि	15/09/2097

केतु 7 वर्ष		शुक्र 20 वर्ष		सूर्य 6 वर्ष		चंद्र 10 वर्ष		मंगल 7 वर्ष	
15/09/2097		15/09/2104		15/09/2124		16/09/2130		15/09/2140	
15/09/2104		15/09/2124		16/09/2130		15/09/2140		00/00/0000	
केतु	11/02/2098	शुक्र	16/01/2108	सूर्य	03/01/2125	चंद्र	17/07/2131	मंगल	12/02/2141
शुक्र	13/04/2099	सूर्य	15/01/2109	चंद्र	05/07/2125	मंगल	15/02/2132	राहु	02/03/2142
सूर्य	19/08/2099	चंद्र	16/09/2110	मंगल	09/11/2125	राहु	16/08/2133	गुरु	06/02/2143
चंद्र	20/03/2100	मंगल	16/11/2111	राहु	04/10/2126	गुरु	16/12/2134	शनि	17/03/2144
मंगल	16/08/2100	राहु	16/11/2114	गुरु	23/07/2127	शनि	17/07/2136	बुध	04/01/2145
राहु	03/09/2101	गुरु	17/07/2117	शनि	04/07/2128	बुध	16/12/2137		00/00/0000
गुरु	10/08/2102	शनि	15/09/2120	बुध	11/05/2129	केतु	17/07/2138		00/00/0000
शनि	19/09/2103	बुध	17/07/2123	केतु	16/09/2129	शुक्र	17/03/2140		00/00/0000
बुध	15/09/2104	केतु	15/09/2124	शुक्र	16/09/2130	सूर्य	15/09/2140		00/00/0000

- उपरोक्त दशा चंद्रमा के अंशो के आधार पर दी गई है। भयात भभोग के आधार पर दशा का भोग्यकाल मंगल 2 वर्ष 8 मा 9 दि होता है।
- उपरोक्त तिथियां दशा के समाप्त होने का समय दर्शाती हैं। विंशोत्तरी दशा पूरे 120 वर्ष की बिना आयुनिर्णय के दी गई हैं।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

लग्न फल

आपकी जन्मपत्रिका के अध्ययन से यह स्पष्ट हो रहा है कि जिस समय आपका जन्म हुआ था। उस समय मेदिनीय क्षितिज पर मेष लग्न उदित था। साथ ही भरणी नक्षत्र के तृतीय चरण में जन्म के प्रभाव से जन्म नवमांश तुला एवं धनु राशि का द्रेष्काण उदित था। ज्ञातव्य है कि जन्मलग्न के प्रभाव से आप अपनी योग्यता एवं क्षमता का उचित उपयोग करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए तथा अपने उद्देश्य की पूर्ति हेतु अपनी प्रतिभा एवं प्रवृत्ति के अनुसार अपना कार्यकलाप निर्धारित करेंगी। आप अपनी उन्नति के लिए अपनी योजना और गतिविधि के अनुसार अपने को उन्नति कारक कर सकती हैं। आप प्रारंभ में नयी कार्य शैली को संपादित करने की संघटनात्मक व्यवस्था कर लें। आप अपनी स्थिरता एवं मजबूती के लिए मात्र अपनी बुद्धि को लगनशील बनाएं। अपनी योजना के कार्यान्वयन के लिए अपने विचार में स्थिरता लाएं और बुद्धि का उचित संचालन करें। अपने विचारों में परिवर्त्तनशीलता लाकर एक कार्य या अन्य कार्य संपादित करने की प्रवृत्ति का त्याग करना चाहिए। आप अपनी धार्मिक प्रवृति के अनुसार एकाग्रचित होकर, अपने निर्णयानुसार एक बार एक ही कार्य को संपादन करने के प्रवृति में कोई बदलाव नहीं लाएं तो निश्चित रूप से आप सफल होंगी। आप अपनी कामयाबी प्राप्त करने के लिए अन्य संभावनाओं के त्याग कर सफल होंगी।

आप में अनुकूल कार्यकलाप संपादन करने की बहुत बड़ी शक्ति विद्यमान है। अपरिमेय साहस एवं आत्मविश्वास के साथ कार्य की सफलता हेतु अग्रसर रहेंगी। आपके प्रभाव एवं निर्देशन से सभी लोग प्रभावित होते हैं तथा आपकी नेतागिरि के प्रभाव से आपका निर्देशन प्राप्त करते हैं। आप में कठिन कार्य संपादन करने की क्षमता है तथा आप परिश्रम से बहुत अधिक धन और यश प्राप्त करेंगे। परंतु आप बहुत अधिक धन का अपव्यय करती हैं। परिणामस्वरूप आपके लिए बहुत धन संग्रह करना एक दुष्कर कार्य है।

आप में सतत जहां-तहां भ्रमण करने की प्रवृति विद्यमान है। आप एक स्थान से दूसरे स्थान की यात्रा प्रेमपूर्वक करेंगी तथा नये-नये स्थान पर नयी मित्रता स्थापित करेंगी। आप अपने मित्रों एवं शुभ चिंतकों के द्वारा उन्नति करेंगे तथा अपने जीवन में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगी।

आपको अपने शत्रुओं के प्रति सशंकित अथवा चिंतित रहने की कोई आवश्यकता नहीं है। वास्तव में वे लोग आपको पूर्ण सुरक्षित समझते हैं। क्योंकि वे आपकी क्षणिक क्रोधयुक्त मनोदशा देख कर भयभीत रहेंगे।

आप अपने परिवार के प्रति पूर्ण सतर्क रह कर अपने परिवार के लिए अतिरिक्त समय निकाल लेती हैं। आप पारिवारिक संतुष्टि के पश्चात् अपनी जवावदेही से पूर्णरूपेण मुक्त है।

आप सुखपूर्वक अपनी संपूर्ण आयु आनंददायक ढंग से व्यतीत कर लेंगी। क्योंकि आप में सशक्त आंतरिक शक्ति विद्यमान है। आप अपनी संतुष्टि हेतु विपरीत योनि के प्रति आसक्त रह कर उत्तेजनात्मक जीवन-व्यतीत करेंगी। परिणामस्वरूप आप जिस प्रकार यौन

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com

संबंध का निर्वाह करेंगी वह संबंध किसी खास यौन रोग की उत्पत्ति का कारक होगा। अतः किसी पुरुष के साथ भ्रमण एवं सैर सपाटे में सावधानी रखें। अन्यथा आपकी लापरवाही से पसंद किया गया गुप्त कार्य कष्टदायक हो सकता है।

आप शरीर से दुबली-पतली परंतु मांसल युक्त सशक्त शरीर से युक्त रहेंगी। आपका ललाट उन्नत एवं आपका चेहरा लंबा है तथा ओठ नुकीली होगी। यह संभव है कि जल्द ही आपके सिर पर चोट लग जाए तथा घाव का चिंह्न बन जाए। आप सदैव ही बुद्धिमत्ता पूर्ण ढंग से सावधानी पूर्वक सुरक्षित ढंग से गंभीर दुर्घटना से बचें। मुख्यतः दुर्घटना से अपने सिर की सुरक्षा के प्रति सतर्क रहें। इसलिए शीघ्रतापूर्वक गाड़ी चलना त्याग दें तथा सावधानी पूर्वक व्यस्त पंथ को पार करें।

आप सदैव ही अपने भोजन एवं समुचित विश्राम के प्रति पूर्ण रूपेण सतर्क रहें। क्योंकि आपको जीवन में आराम नही मिलता है। समय पर भोजन और विश्राम नही करना हानिप्रद रहेगा। आप सदैव ही मद्यपान एवं मासांहार का त्याग करें। ग्रहों के प्रभाव से आपके लिए हरी साक-सब्जी का आहार अनुकूल है। इसके अतिरिक्त निश्चिन्तता पूर्वक विश्राम एवं अच्छी मात्रा में शयन करें।

आपके लिए मंगलवार, गुरुवार, रविवार एवं सोमवार उपयुक्त एवं भाग्यशाली दिन है। शुक्रवार, शनिवार एवं बुधवार तीन दिन आपके लिए प्रतिकूल एवं व्ययकारी होंगे।

आपके लिए लाल, ताम्र वर्ण एवं पीला रंग अनुकूल है। आपके लिए सदैव ही काला रंग त्यागनीय है।

आपके लिए भाग्यशाली अंक 9 एवं 1 अंक है। आपके जीवन मे अंक 6 एवं 7 अंक सर्वथा त्याज्य है।

डॉ. मनीष कुमार शुक्ल
श्री बैकुण्ठनाथ पवहारि संस्कृत महाविद्यालय, बैकुण्ठपुर, देवरिया उ०प्र०
9628987375
shuklamanishkumar04@gmail.com